# ग्रहसंकेत

## ज्योतिष कार्यालय

(कृष्णमूर्ती सिद्धांतोंपर आधारित)

फोन का समय : दोपहर सिर्फ २ से ५ एवं रात्री ८ से १० तक
फोन के दिये गये समयपरही संपर्क करना अनिवार्य है ।

भूषण सांभ शिखरे (पवईकर)
भ्रमण दूरध्वनी / : 09422268596
निनाद भूषण शिखरे (पवईकर)
भ्रमण दूरध्वनी / : 08149471194
417, ग्रहसंकेत, सत्यनारायण मंदिर के पास, मेनरोड,
श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर, जि. नासिक दूरध्वनी : (02594) 233014.


www.kalsarpyog.com & E-mail : bhushanshikhare@gmail.com & shikharebs@rediffmail.com
गुगल के ॲण्ड्रॉईड प्ले पर दो (kalsarpyog & pitrudosh) नामसे हम आपके सेवा में हाजीर है ।

### सिर्फ पितृदोष (नाराणबली - नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द) विधीके 2023 साल के मुहूरत

जनवरी 2023 = 1, 4, 8, 11, 14, 20, 22, 28,
फरवरी 2023 = 1, (4), 7, 10, 14, 19, 24, 27,
मार्च 2023 = 4, 7, 11, 15, 18, 24, 28, 31
अप्रैल 2023 = 3, 6, 10, (14), 20, 24, 27, 30
मई 2023 = 4, 7, 12, 17, 20, 23, 27, 30
जून 2023 = 3, 8, 14, 17, 21, 24, 28
जुलाई 2023 = 1, 5, 11, 14,

(दिनांक -18/07/2023 से 17/08/2023 इस बीच अधिक मास (पुरूषोत्तम मास) व शुक्र अस्त यह दोनो होने के कारण इस अवधीमे पितृदोष का विधी (नारायण बली नागबली व त्रिपिंडी श्राद्ध) यह दोनो काम्य-कर्म वर्जित कहा गया है ।)

अगस्त 2023 = 17, 20, 24, 27, 29
सितंबर 2023 = (3), (6), 9, 12, 16, (24), 26
अक्टूबर 2023 = 1, 4, 8, 11, 29
नवंबर 2023 = 1, 4, 7, 17, 19, 25, 28,
दिसंबर 2023 = 2, 5, 9, 12, 16, 22, 25, 29

### सिर्फ त्रिपिंडी श्राध्द और कालसर्प शांती और बाकी सभी जनन शांती विधीके 2023 साल के मुहूरत

जनवरी 2023 = 3, 6, 7, 10, 13, 16, 22, 24, 26, 30
फरवरी 2023 = 3, 6, 9, 12, 16, 18, 21, 22, 26
मार्च 2023 = 1, 3, 6, 9, 13, 17, 20, 23, 26, 30
अप्रैल 2023 = 2, 5, 8, 12, 16, 18, 22, 26, 29
मई 2023 = 2, 6, 9, 11, 14, 16, 19, 22, 25, 29
जून 2023 = 1, 2, 5, 7, 10, 12, 16, 19, 23, 26, 30
जुलाई 2023 = 3, 4, 7, 9, 13, 16, 19, 21, 23, 25, 27, 29, 30
अगस्त 2023 = 1, 3, 5, 6, 8, 10, 12, 14, 16, 19, 22, 26, 29, 31
सितंबर 2023 = 1, 5, 8, 11, 14, 18, 26, 28, 30
अक्टूबर 2023 = 3, 6, 7, 10, 13, 14, 25, 26
नवंबर 2023 = 3, 6, 9, 11, 19, 21, 22, 24, 27, 30
दिसंबर 2023 = 4, 7, 11, 14, 18, 19, 21, 24, 27, 31

अपने खुदके घरके सभी तरीके के परेशानी देखकर आपको जो सही मुहूरत लगे उसमें से एक मुहूरत फिक्स करके हमें दस दिन पहले फोन करके बताना अनिवार्य है । उस मुहूरत एक दिनपूर्व शाम पाच बजेतक त्र्यंबकेश्वरमें आना जरूरी है । बाकीकी अधिक जानकारी फोनपर पुछ लें ।

(कृपया हमारी पुजापाठ की बराबरी करनी है तो सिर्फ और सिर्फ पुजाविधी की गुणवत्ता से ही करे ना सिर्फ पैसे से ।)

त्रिपिंडी श्राध्द यह ऐसा कभीभी कर सकते है । अगर नियमोसे देखे तो दोनो पक्ष के (शुक्ल या कृष्ण) चतुर्थी, अष्टमी, एकादशी, चतुर्दशी इन तिथीओंको अनन्य महत्व प्राप्त है ।

## जरूरी विशेष सुचनाए -

1) दि.01/04/2023 से दि.27/04/2023 इस दौरान गुरु का अस्तमान है ।
2) दि. 06/08/2023 से दि.17/08/2023 इस दौरान शुक्र का अस्तमान है ।
3) दि. 18/07/2023 से दि.16/08/2023 इस दौरान अधिक मास (पुरूषोत्तम मास) है ।
4) आप जो भी विधी कर रहे उसपर आपका पुरी श्रध्दा होनी जरूरी है । क्योंकी यह श्रध्दा काही फल है । अगर श्रध्दा न हो तो किसी भी विधी करने का मतलब ही नही है ।
5) ज्यादा बेफिजुल, बेतुकी ज्यादा पुछताछ किए बिना गुरूजी से सिधा सवाल करे । बेफिजुल, बेतुकी सवाल करके स्वयं कृपया अपना अपमान न करवाए ।
6) जिस-जिस की कुंडली में दोष होगा उस हर व्यक्तीको अलग-अलग पुजा-विधी करवाना होगा और यही सही नियम भी है । (अर्थात पिता-पुत्र को अन्यथा सगे भाई हो तो भी पुजा-विधी अलग-अलगही होगी ।)
7) समय-समय पर आपको गुरूजी द्वारा बताये गए नियमोंको (सुचना) आप सभी लोग सही तरीकोंसे पालन करें ।
8) नारायणबली - नागबली, त्रिपिंडी श्राध्द, कालसर्प शांती यह तीनोंभी विधी पुरे के पुरे अलग ही है । इन तीनों विधीका एक-दुसरे के साथ किसीभी प्रकार का संबंध नही है, यह बात पहलेही जानकर उपरांतही पुजा-विधी करवाए ।
9) कौनसी भी विधी करने से पहले स्त्रियोंकी माहवारी की अडचणे न आये यह देखकरही मुहूरत नक्की करें ।
10) बरसात के वक्त में छाता और रेनकोट और जाडो (थंडे) के मौसम में शॉल तथा स्वेटर लाना अनिवार्यही है । बिमार लोगोंने डॉक्टरकी सलाह से ही पुजा में बैठे और साथ में अपनी दवाईयाँ भी साथ में रखना भी जरूरी है । अगर हो सके तो अपनी बिमारी के गुरूजी को पूवसुचना देना भी जरूरी है ।
11) गुरु और शुक्र के अस्तमान के दौरान संतान प्राप्ती हेतु लोग नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द पुजा-विधी ना ही करे, यह बात जरूर ध्यान रखे । संतान प्राप्ती हेतु लोग दोनों नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राद्ध पुजा-विधी करें ।
12) गणपती में 7 (सात) दिन, नवरात्री में 10 (दस) दिन, दिवाली में 5 (पाच) दिन हम किसीभी प्रकार के धार्मिक विधी करते नही ।
13) अपने स्वयंम् के घर में बेटे-बेटी की, भाई-बहेन शादी होने के उपरांत एक साल तक नारायणबली-नागबली नही कर सकते ।
14) अपने स्वयंम् के घर में माता-पिता, भाई-भाभी, चाचा-चाची इनकी मृत्यु होनेके उपरांत भी आप एक साल तक नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द पुजा-विधी नही कर सकते ।
15) नारायणबली -नागबली यह विधी ढाई घंटे का तीन दिन का पुजा-विधी है और त्रिपिंडी श्राध्द और कालसर्प शांती यह एक दिन का पुजा-विधी है ।

## (विशेष रूपसे श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में पधारनेवाले श्रध्दालु भाविकोंको जरूरी अत्यावश्यक सुचना)

1) नागपंचमी में कालसर्पयोग शांती का और पितृपक्ष में नारायणबली-नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द पुजा-विधी बहुतही अहम महत्व मानना १००% गलत और पूर्णत: मुर्खता है । इस में कोई भी शास्त्राधार भी नही होने के कारण इन जैसे अफवों पर आप कृपया भरोसा बिलकुल ना करे ।
2) दक्षिण भारत में सिर्फ श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर मूलगोदावरी के अलावा किसी स्थान में सिंहस्थ कुंभमेला होता ही नही, यह बात हर श्रध्दालु भाविक ध्यान रखे । अगला सिंहस्थ कुंभमेला दि. 31/10/2026 से दि. 25/07/2028 तारीखों के बीच में ही श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में ही होने वाला है मगर एक बात जरूर ध्यान रखे की कुंभमेला नासिकमें बिलकुल भी नही होता ।
3) श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में आज ऐसे भी अनाधिकृत बोगस पुरोहित (ब्राम्हण) है यह हम यहाँ के सभी विधी करवाते है ऐसा झूठ बोलकर पैसे ऐठ लेते है । हर श्रद्धालु भाविक अच्छी तरह ध्यान रखे की, आप जिन के पास पुजा-विधी करवा रहे है उनके पास अधिकृत (रजिस्टर) अधिकारपत्र और अधिकृत लोगो है या नही यह जाँच - परख करके ही भरोसा करे ।